

कॉलोनी विकास से संबंधित दस्तावेज 5 अक्टूबर तक प्रस्तुत करने के निर्देश

अवैध कॉलोनाइजरों पर प्रशासन का शिकंजा कटंगी एसडीएम ने जारी किए नोटिस

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

क्षेत्र में बिना निर्धारित नियमों का पालन किए विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। कटंगी एसडीएम श्री विजय सिंह यादव के निर्देश पर तहसील स्तर पर कराई गई जांच के बाद तीन अवैध कॉलोनियों से जुड़े कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए गए हैं। संबंधित कॉलोनाइजरों को 5 अक्टूबर 2026 तक कॉलोनाइजर एक्ट के तहत निर्धारित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई मध्यप्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1993 तथा इसके अधीन बनाए गए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत कॉलोनाइजर कार्रजिस्ट्रीकरण, निर्बंधन तथा शर्त नियम, 2014 के प्रावधानों के तहत की जा रही है। इन प्रावधानों के अनुसार कॉलोनाइजर के लिए कॉलोनी के विकास, पंजीयन, भूखंडों के विक्रय तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में



निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

तहसीलदार की जांच के बाद सामने आई अवैध कॉलोनियां : एसडीएम श्री विजय सिंह यादव ने तहसीलदारों को निर्देश दिए थे कि अनुभाग क्षेत्र में जहां भी कॉलोनियों का विकास किया

जा रहा है, वहां जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित कॉलोनाइजर द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है या नहीं। इसी क्रम में तहसीलदार तिरोड़ी श्रीमती गीता राहंगडाले द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान कटंगी तहसील अंतर्गत ग्राम बम्हनी एवं ग्राम बोनकट्टा में तीन अवैध कॉलोनियों की जानकारी एसडीएम कार्यालय को प्रस्तुत की गई।

जांच में ग्राम बम्हनी में सर्वे नंबर 388/2/1, 388/2/2, 388/2/3 एवं 388/2/4 में कुल 0.511 हेक्टेयर भूमि पर कॉलोनी विकसित कर भूखंड काटे जाने की जानकारी सामने आई। इस मामले में नोकेश पिता तुलसीराम एवं राकेश

पिता राधेलाल को नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार ग्राम बोनकट्टा में सर्वे नंबर 255/1/1/1/1 में कुल 0.698 हेक्टेयर भूमि पर भूखंडों की बिक्री किए जाने के मामले में आर्यन शर्मा, जितेंद्र ठाकुर एवं विजय कापगाते को नोटिस जारी किया गया है। ग्राम बोनकट्टा में ही सर्वे नंबर 87/8 में कुल 0.247 हेक्टेयर भूमि पर भूखंड बिक्री किए जाने के मामले में ज्योति नागपुरे को भी नोटिस जारी किया गया है।

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर होगी नियमानुसार कार्रवाई: एसडीएम कार्यालय कटंगी द्वारा जारी नोटिस में संबंधित कॉलोनाइजरों को 5 अक्टूबर 2026 तक कॉलोनी विकास एवं पंजीयन से संबंधित निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संबंधितों से दस्तावेज प्राप्त होने के बाद उनका परीक्षण किया जाएगा और नियमों के अनुरूप आगामी कार्रवाई की जाएगी। इससे क्षेत्र में बिना अनुमति अथवा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किए कॉलोनियों के विकास और भूखंडों की बिक्री पर प्रशासन की निगरानी और सख्त होने के संकेत हैं।

आशीष नाग बने जिला सचिव, जेम्स बारीक व पूनम खोबरागड़े को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

फुटबॉल संघ अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी के मार्गदर्शन में जिला फुटबॉल संघ की नई कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिला फुटबॉल संघ बालाघाट की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को सक्रित हाउस, बालाघाट में आयोजित हुई। कटंगी-खैरलांजी विधायक एवं जिला फुटबॉल संघ बालाघाट के अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न फुटबॉल क्लबों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।बैठक में बॉयज क्लब उकवा, उकवा एफसी, बालाघाट माईस, पुलिस बॉयज बालाघाट तथा द डायमंड रॉक फुटबॉल एकेडमी निरालाजी के अध्यक्ष, सचिव एवं खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इस दौरान जिले में फुटबॉल गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने और खिलाड़ियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की गई।उपस्थित



सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया। आशीष नाग को जिला सचिव, जेम्स बारीक एवं पूनम खोबरागड़े को जिला उपाध्यक्ष तथा दिलीप कुमार वासनिक को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं रोहितलाल, मुकेश तिल्लासे, अजीत बागड, दुर्गेश मड़वी, सुनील यादव, अविनाश देशमुख, प्रिय सिसोदिया एवं कृष्णा खारग को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

फुटबॉल को नई दिशा देने पर जोर - गौरव पारधी

बैठक में विधायक एवं जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी ने जिले में फुटबॉल खेल को पर्याप्त अवसर मिले। उन्होंने जिला फुटबॉल संघ के माध्यम से क्लबों और खिलाड़ियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जिले की फुटबॉल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की बात कही।

खिलाड़ियों की कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि खिलाड़ियों को नियमित प्रतियोगिताओं, बेहतर प्रशिक्षण और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने जिला फुटबॉल संघ के माध्यम से क्लबों और खिलाड़ियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जिले की फुटबॉल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की बात कही।

पोस्ट ऑफ द मंथ से सम्मानित हुए शिक्षक



विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, नवाचारों एवं विद्यार्थियों की सफलता की कहानियों को अब डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक स्तर पर पहचान मिल रही है।

डीपीसी घनश्याम बर्मन ने प्रमाण-पत्र सौंपकर किया सम्मान, नवाचारों को डिजिटल मंथ पर मिल रही पहचान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिले के शासकीय विद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों, रचनात्मक गतिविधियों और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रभावी ढंग से सामने लाने वाले शिक्षकों को शुक्रवार को “पोस्ट ऑफ द मंथ” सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री घनश्याम बर्मन एवं एपीसी श्री विवेक गुप्ता ने चर्चानित

शिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। “पोस्ट ऑफ द मंथ” के लिए शिक्षकों का चयन उनके विद्यालयों में किए जा रहे उल्लेखनीय शैक्षणिक नवाचारों, रचनात्मक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सोशल मीडिया एवं डिजिटल माध्यमों पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के आधार पर किया गया। सम्मान समारोह में अधिकारियों ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डिजिटल मंथ से मिल रही नवाचारों को पहचान

जिले के विद्यालयों में संचालित

विनोबा ऐप सहित अन्य डिजिटल माध्यमों पर शिक्षकों द्वारा विद्यालयीन गतिविधियों को साझा किया जा रहा है। “पोस्ट ऑफ द मंथ” जैसी पहल से शिक्षकों की रचनात्मकता एवं बेहतर कार्यों को प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही विद्यालयों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का वातावरण निर्मित होने और शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने में भी यह पहल उपयोगी साबित हो रही है। इस अवसर पर अधिकारियों ने सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालयों में किए जा रहे अच्छे कार्यों को सामने लाने से अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव को गति मिलेगी।

त्वरित कार्रवाई से रोके गए तीन बाल विवाह, नाबालिग बालिकाओं को मिला सुरक्षित संरक्षण

बालाघाट। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार सुनड़ियाल के मार्गदर्शन तथा वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन शक्ति अभियान के तहत बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं के बाल विवाह होने से रोक दिए। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि विकासखंड बिरसा क्षेत्र की दो नाबालिग बालिकाएं तथा जिला मंडला की एक नाबालिग बालिका प्रेम-प्रसंग के चलते लड़के के घर रह रही हैं। बाल विवाह की सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग, वन स्टॉप सेंटर, परियोजना कार्यालय बिरसा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।

पीएम सूर्य घर योजना के लिये लगेगा विद्युत विभाग का सेवा सेतु कैप

बालाघाट, किरनापुर और लांजी के शिविर का लाभ लेने की अपील

हरिभूमि न्यूज बालाघाट ।



भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा अधिकाधिक नागरिकों को रूफटॉप सोलर हेतु पंजीयन एवं ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बालाघाट द्वारा सेवा सेतु कैप आयोजित किए जा रहे हैं। इन कैपों में उपभोक्ताओं को अपने घरों/परिसरों में स्थापित कराने से होने वाले लाभ, योजना के अंतर्गत मिलने वाली सब्सिडी पात्रता तथा आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। साथ ही इच्छुक उपभोक्ताओं का कैप स्थल पर ही योजना के लिए रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। सेवा

सेतु कैप 28 सितम्बर 2026 को कार्यपालन अभियंता संभागीय कार्यालय विद्युत विभाग बालाघाट में प्रातः 11 बजे से तथा 29 सितम्बर को ग्राम पंचायत हिरी, जनपद पंचायत किरनापुर में प्रातः 11 बजे से एवं 1 अक्टूबर को वितरण केन्द्र कार्यालय लांजी में प्रातः 11 बजे से लगेगा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उदके तथा कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्भरे ने समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सेवा सेतु कैप में उपस्थित होकर रूफटॉप सोलर की जानकारी प्राप्त करें तथा अपने घर/परिसर में स्थापित कराने हेतु पंजीयन कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें।

बैंक हड़ताल के दौरान भी जारी रहेगी आवश्यक बैंकिंग सेवाएं

27 सितंबर को रविवार के दिन भी खुले रहेंगे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (UFBU) एवं अन्य बैंक यूनियनों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का आह्वान किया गया है। हड़ताल की अवधि साप्ताहिक अवकाश शनिवार एवं रविवार के तुरंत बाद होने के कारण सामान्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC) मध्यप्रदेश तथा प्रदेश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों

द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

27 सितंबर को भी खुले रहेंगे बैंक

ग्राहकों को नकदी एवं आवश्यक बैंकिंग लेन-देन में परेशानी न हो, इसके लिए 27 सितंबर 2026, रविवार को प्रदेश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे और बैंकिंग कार्य किया जाएगा। इसका उद्देश्य हड़ताल अवधि के दौरान आमजन को होने वाली असुविधा को न्यूनतम करना है। हड़ताल की अवधि में ग्राहकों की सुविधा के लिए 28 से 30 सितंबर तक देश के किसी भी बैंक के एटीएम से किए गए लेन-देन पर लगने वाले सभी प्रकार के एटीएम शुल्क माफ किए जाएंगे। इससे ग्राहक आवश्यकता के अनुसार किसी भी बैंक के एटीएम का उपयोग कर सकेंगे।

नमामि भारत कार्यक्रम अंतर्गत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन



हरिभूमि न्यूज किरनापुर। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासन के निर्देशानुसार नमामि भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 25 सितंबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल, किरनापुर में सामूहिक वंदे मातरम गायन का आयोजन किया गया।यह आयोजन ऐतिहासिक रहा, जिसमें पूरे देश में एक साथ एक करोड़ से अधिक लोगों ने एक समय, एक लय, एक स्वर में वंदे मातरम का गायन किया, जिसे गीनोज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जा रहा है। विद्यालय में भी 5।15 प्रतिभागियों ने इस महाअभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष श्री एन आर गर्दे , राजकुमार हाथीमारे, उपाध्यक्ष गौरी उपवंशी, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, मुकेश गौतम सहित समिति सदस्य, समस्त आचार्य परिवार, अभिभावक गण, पूर्व छात्र एवं भैया-बहन उपस्थित रहे।कार्यक्रम में एक स्वर में गुंजे वंदे मातरम ने पूरे परिसर को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव के प्रति संकल्प लिया।

पीजी कॉलेज से किया था स्नातकोत्तर, संघर्ष के दौर का मित्रों ने सुनाया किस्सा हास्य कलाकार मुस्ताक खान के निधन से बालाघाटवासियों ने जताया शोक

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। मुंबई में हास्य कलाकार मुस्ताक खान के निधन से बालाघाट में उनके कॉलेज के दोस्त दुखी हैं। बैहर में जन्मे मुस्ताक खान ने मुंबई में कलाकार बनकर जिले का नाम रोशन किया था। वे अपनी जिंदादिली, मिलनसार व्यवहार और मृदुभाषिता के लिए दोस्तों और प्रशंसकों के दिलों में हमेशा रहेंगे।

बालाघाट में कॉलेज की पढ़ाई के दौरान मुस्ताक खान के दोस्तों से बात की गई। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व कॉर्पोरेटिव बैंक अध्यक्ष राजकुमार रायजादा ने बताया कि मुस्ताक 1974 में बालाघाट के पीजी कॉलेज में अर्थशास्त्र में एमए करने आए थे। शुरुआत में वे उनके घर में छात्रों के लिए बने किराए के कमरे में रहे। एमए के फाइनल ईयर तक वे राजकुमार रायजादा के कमरे में ही रहकर पढ़े। राजकुमार रायजादा ने बताया कि मुस्ताक एक मंझे हुए मंचवीय कलाकार थे। पीजी कॉलेज की गैदरिंग के दौरान उन्हें अभिनय के सभी अवार्ड मिले थे। उनके अभिनय की उस समय छात्रा घाट के पीजी कॉलेज से ही हुई थी। शरद श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नाटक



'गुनाह' में मुस्ताक खान को पहला अवार्ड मिला था। वे बिना किसी विषय की जानकारी के भी लंबे समय तक मिमिक्री कर सकते थे। शिवाजी पर जानकारी न होने के बावजूद उन्होंने 45 मिन्ट तक मिमिक्री की थी।

मुस्ताक मुंबई जाकर कलाकार बनना चाहते थे। उनके दोस्तों ने उनके फोटो मुंबई भिजवाए थे। राजकुमार रायजादा ने 1975 में हुए एक थाना घटना को याद करते हुए बताया कि उस समय शहर में एक महीने तक कर्फ्यू लगा था। मुस्ताक मुंबई जाना चाहते थे।

8 माह से नहीं हुई सीमांकन की कार्यवाही!

बिरसा तहसीलदार की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल!

हरिभूमि न्यूज बैहर।

बालाघाट जिले की बिरसा तहसील इन दिनों प्रशासनिक नहीं राजनितिक ज्यादा नजर आ रही है, जहाँ छुट्टुभइये नेता अपनी राजनितिक रोटी सेकने आते है, और दबाव बनाकर आदेशों का उलंघन करने के लिए शासकीय कर्मचारियों पर दबाव बनाते है। ऐसा ही मामला बालाघाट के बिरसा तहसील का है, जहाँ एक वृद्धा आठ माह से तहसील के चक्कर काट रही है, यह बोलकर की साहब मेरे हक की भूमि का सीमांकन तो कर दो, लेकिन अब तक भूमि का सीमांकन नहीं हो सका है! इसे जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही कहे या छुट्टुभइये नेताओं का दबाव, जिसके चलते अब तक

सीमांकन नहीं हो पाया है। **क्या है पूरा मामला:** बालाघाट के बिरसा तहसील मे पटवारी हल्का नंबर 31 मौजा बिरसा खसरा 6/5/2(s) रकबा 0.0450 हेक्टेयर स्थित है जो प्रेमवती डोंगरे बिरसा निवासी के भूमिस्वामी हक मे दर्ज है। जिसके सीमांकन हेतु आठ माह पूर्व से प्रेमवती डोंगरे बिरसा तहसीलदार को आवेदन कर रही है! सीमांकन हेतु कई बार तहसीलदार से आदेश भी जारी हुवे लेकिन सीमांकन अब तक नहीं किया जा सका है।

छुट्टुभइये नेता बना रहे दबाव: सुत्रो से मिली जानकारी अनुसार बताया जाता है, की बिरसा निवासी प्रेमवती के भाई पिता की संपत्ति मे अपनी बहन को हिस्सा नहीं देना



चाहते थे, जिसके लिए भाई बहनो मे विवाद की स्थिति बनने लगी, लेकिन प्रेमवती हार नहीं मानी और न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिससे उसको उसके हिस्से की भूमि खसरा 6/5/2(s) रकबा 0.0450 हेक्टेयर के रूप मे प्राप्त हुई, जिसे प्रेमवती सीमांकन कराना चाहती थी, लेकिन उसके भाई सीमांकन ना कराने के लिए बिरसा के ही कोई नेता के शरण मे जाकर

सीमांकन मे कैसे भी रोक लगा रहे कहकर गिड़गिड़ाते है, जिनके पक्ष मे नेता अपनी नेतागिरी दिखाते हुवे तहसीलदार पर सीमांकन ना किये जाने का दबाव बनाते है, हालांकि इस बात को लेकर तहसीलदार भी चुप्पी साधे बैठी है।

सीमांकन नहीं होने पर पीड़िता ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी: पीड़िता अपने स्वाभिम्व हक की भूमि का सीमांकन कराने के लिए आठ माह से तहसीलदार के चक्कर काट रही है, जिसके लिए वह अपनी शिकायत सी एम हेल्पलाइन मे भी कर चुकी है, कई बार सीमांकन के आदेश जारी हुवे, विवाचित भूमि है कहकर पुलिस बल भी तैनात रहा, राजस्व अमले के ही कोई नेता के शरण मे जाकर

भूमि पर सीमांकन के लिए मौके पर पहुंचकर कार्य करते है, वैसे ही जिस तहसीलदार ने सीमांकन के आदेश दिए थे, वही तहसीलदार फोन कर राजस्व अमले को बुला लेती है, इस तरह तहसीलदार की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठ रहे है, आखिर किसके दबाव पर बिरसा तहसीलदार कार्य कर रही है, जिससे की सीमांकन का कार्य अवरुद्ध हो रहा है, इस बात से तंग आकर पीड़िता ने मिडिया के माध्यम से कहा है की अब सीमांकन नहीं किया जाता तो, मैं तहसील कार्यालय बिरसा मे बैठकर भूख हड़ताल करूंगी, अब देखना यह है की, पीड़िता की भूमि का सीमांकन कब तक किया जायेगा, या फिर तारीख पर तारीख ही दी जायेगी।

भूमि पर सीमांकन के लिए मौके पर पहुंचकर कार्य करते है, वैसे ही जिस तहसीलदार ने सीमांकन के आदेश दिए थे, वही तहसीलदार फोन कर राजस्व अमले को बुला लेती है, इस तरह तहसीलदार की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठ रहे है, आखिर किसके दबाव पर बिरसा तहसीलदार कार्य कर रही है, जिससे की सीमांकन का कार्य अवरुद्ध हो रहा है, इस बात से तंग आकर पीड़िता ने मिडिया के माध्यम से कहा है की अब सीमांकन नहीं किया जाता तो, मैं तहसील कार्यालय बिरसा मे बैठकर भूख हड़ताल करूंगी, अब देखना यह है की, पीड़िता की भूमि का सीमांकन कब तक किया जायेगा, या फिर तारीख पर तारीख ही दी जायेगी।

॥ ॐ बृहस्पति नमः ॥ मो.नं. 8827176654 9301826486

वैद्य सुरेश बंशकार

ए एम पी दिल्ली। डी आई एन। आ.स.सै. 5042। 1265

हड्डी रोग तज्ञ विशेष दिन: शनिवार (एलारी चौराहा जिला सिवनी)

निवास स्थान लागता: लागता रेलवे स्टेशन के पास जिला बालाघाट (म.प्र.)

